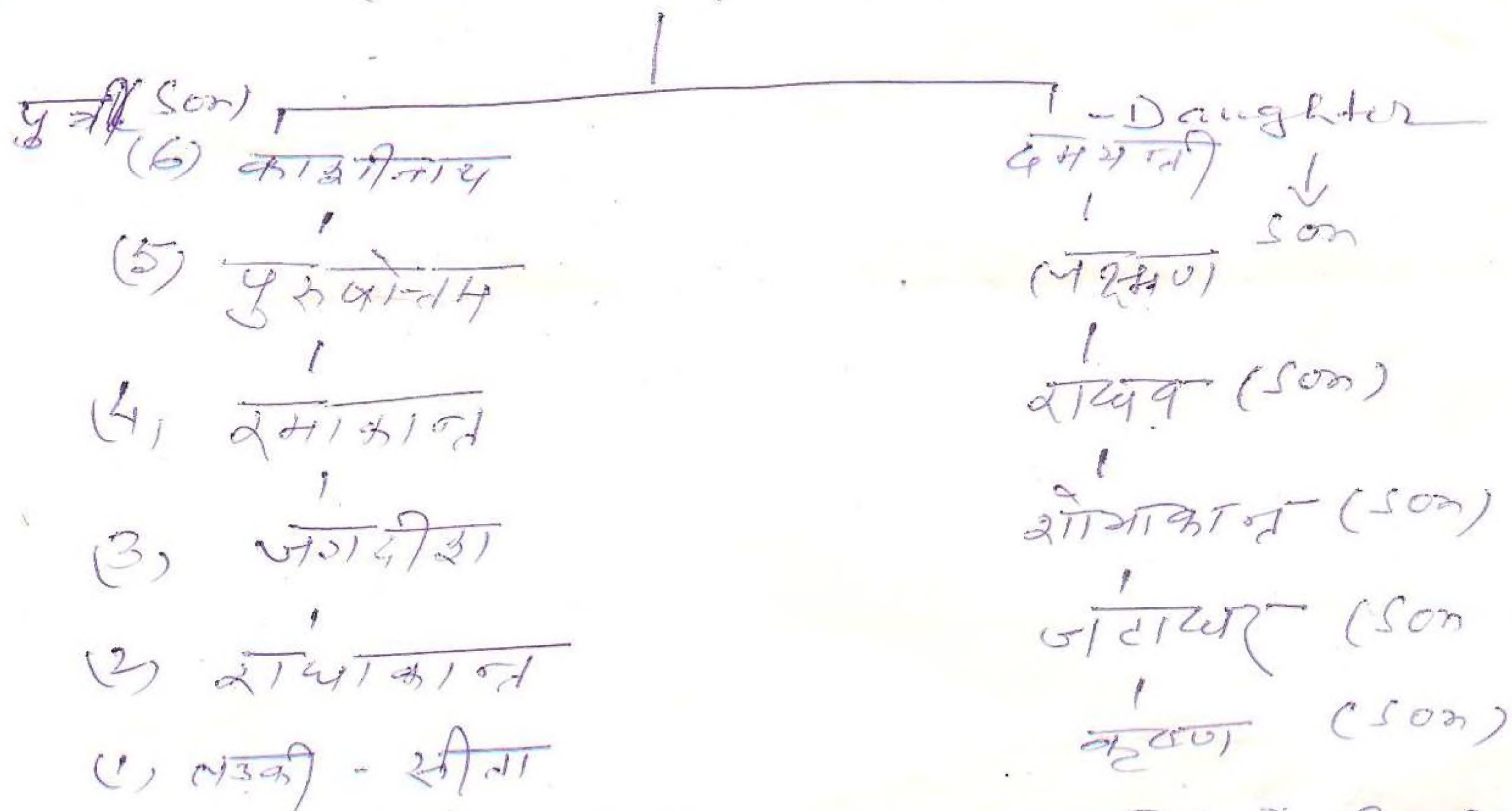


पितृ पक्ष Table - 1

(7) लीलाधर बीजी पुरुष (Common person)

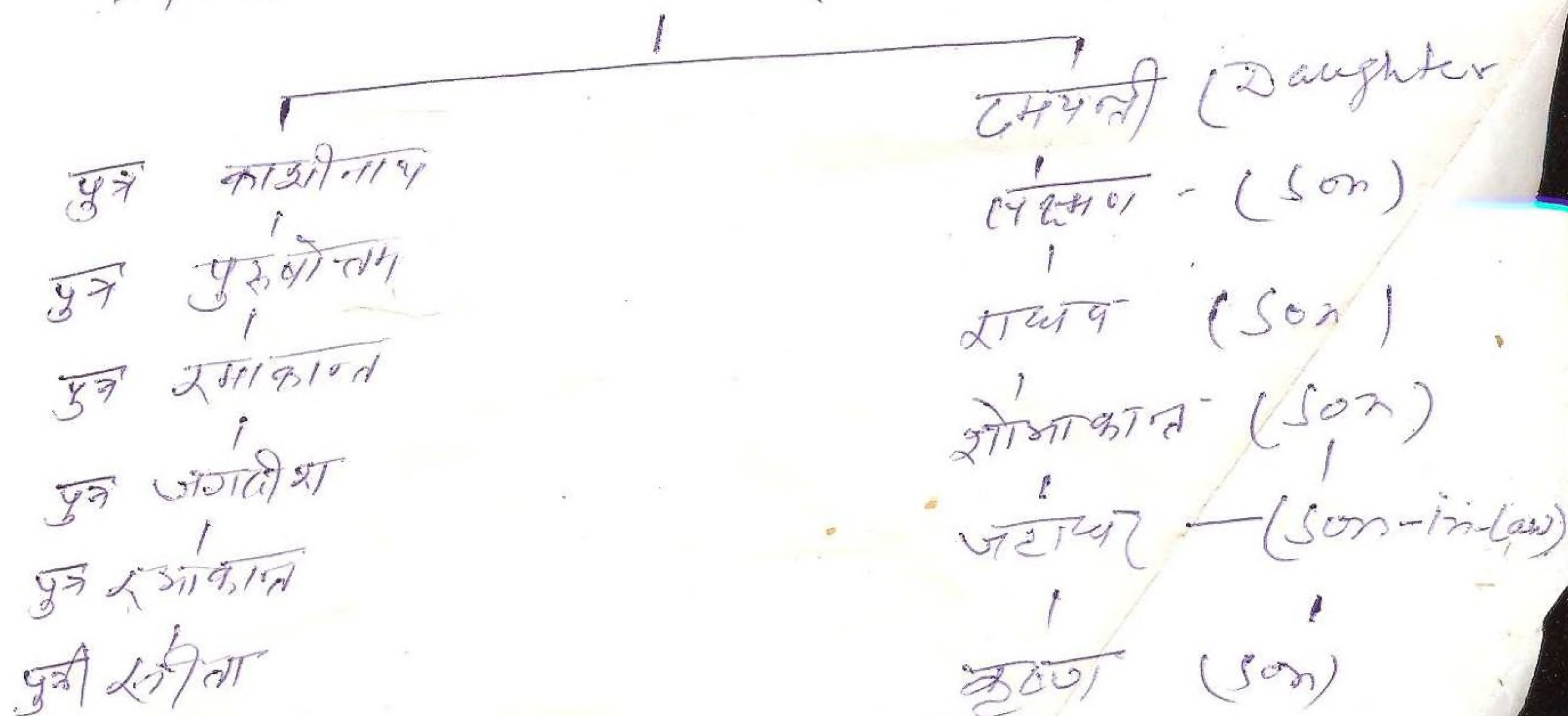


अब इस परिचय को याज्ञवल्क्य स्मृति से दी गई व्यवस्था - पंचमात्सप्रमादूर्ध्वं मानृतः पितृवस्थता से जांचते हैं तो पता है कि बधू सीता कर कृष्ण के पितृ पक्ष से सम्बन्धित है और बीजी पुरुष (Common person) से सातवें स्थान पर है और दोनों के पिता में लीलाधर का गुण युक्त (Chromosome) विद्यमान है। ऐसी परिस्थिति में दोनों का पाला विवाह होने पर उत्पन्न सन्तान दोष मुक्त होगा।

मातृ पक्ष

Table - 2

लीलाधर



(4)

उपरोक्त Table-2 का परिचय देवने पर पता चलता है कि कन्या (बधू) सीता बीजी पुरुष सीताधर से सातवरी परती है, परन्तु बीजी पुरुष (Common person) सीताधर को कृष्ण के मातृ पक्ष से सम्बन्धित है, क्योंकि वर के पिता जराधर बीजी पुरुष (Common person) सीताधर के पुत्र की लगावारीता में न होकर दामाद (Son-in-law) है। अतः वे (सीताधर) वर की मातृ पक्ष से सम्बन्धित हैं। जबकि याज्ञवल्क्य स्मृति में दी गई उपरोक्त व्यवस्था से जो गुण-बुन (Characteristics) का निर्माण होता है वह मातृ पक्ष में 5 पीढ़ी (Degree) के बाद अपनी निम्नतरता को देती है ऐसा कहा गया है। निष्कर्षतः यहाँ इहोपनिषद् में बधू-सीता और वर कृष्ण के पाला विवाह सम्बन्ध हो सकता है और उससे उत्पन्न संतान निदोष होगी। इस सन्दर्भ में मनु का भी यही मत है -

मनुस्मृति :- असपिण्डान्व या सातुरस्रगोत्रा-कथापितुः ।
साप्तशस्ता द्विजातीनां दार कर्मणि मैतुने ॥

असपिण्डा का अर्थ है पिण्ड रहित।

स्मृति तत्त्व नारदः

आसप्तमात्पंचमाश्र्व बंधुभ्यः पितृ मातृतः ।

अविवाह्या सगोत्रा व समाज प्रकरा तथा ॥

पिता की ओर से सातवीं पीढ़ी तथा माता की ओर से पाँचवीं पीढ़ी तक तथा समान गोत्र और समान वंश में विवाह नहीं करनी चाहिए।

विष्णु पुराण

पंचमी मातृ पक्षाद्यपि पितृ पक्षाच्च सप्तमी ।

गृहस्थ उद्गृहे कन्या न्यायेन विधिन नृपेति ॥

स्तौत्री करिहरा

दानश्याम

॥
रैया

सनूप

किर्तिनाथ

हरिनाथ

वैदिक चित्रनाथ वैदिकपननाथ रवगनाथ

शूलपाणि गदापाणि वृद्धगपाणि आदव डीर

देवकीनन्दन श्रीकानन्द

सिंहेश्वर

महेश्वर

काशीनाथ श्यामानन्द जयनारायण सुबोध विनायक प्रभोद

गंगानाथ उदितनाथ

अरुण भोजन भीमन (विनयप्रकाश विन्दुप्रकाश) मदनप्र

रमान प्रकाश

(चरैया तरोनी काकुरा जीकदुर्ग)

ଶ୍ରୀ ଅମଳାକା ପାଣିଦେବ-

↓
୧୫୫ ଶ୍ରୀ ^{ନାମ} ଅମଳାକା ଓ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ

ବିଶ୍ୱାସୀ - ଶ୍ରୀମାତାଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ
ଅନୁରୋଧ - ଶ୍ରୀମାତାଙ୍କୁ

କାମା - ଶ୍ରୀମାତାଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ
୧୫୫ - ୧ ଶ୍ରୀମାତାଙ୍କୁ

୧୫୫ ଶ୍ରୀମାତାଙ୍କୁ
ନାମ ଅନୁରୋଧ

ନାମ
ଅନୁରୋଧ
ନାମ ଅନୁରୋଧ
ଅନୁରୋଧ

ନାମ
ନାମ ଅନୁରୋଧ
ନାମ ଅନୁରୋଧ
ନାମ ଅନୁରୋଧ

ନାମ
ନାମ ଅନୁରୋଧ
ନାମ ଅନୁରୋଧ

श्री गणेशाय नमः।

पञ्चाङ्गिक सिद्धान्तं पञ्चमिदम् निरुच्यते
सहस्रं मण्डलान्गतं सुरदेव्युग्रं आम निवासि-
नं रत्नाकारं सिंगारुं मूलकं रूपं काश्चाप-
गौतम्य श्री योगेश्वर शर्मणः कनिष्ठ पुत्र्या
श्री विशारद कुमारिका सह उन्नत मण्डलान्
गता कुरुता आम निवासिनः वेलोय काश
मूलकं रूपं मारुता गौतम्य श्री रति नाथ
शर्मणः पुत्रस्य श्री अमर नाथ शर्मणः
कोपि अहं संस्कारः सिद्धान्तितः।
उभयोः पक्षयोः संपिण्ड भावन
पञ्जीशाहने दुष्ट्या विकार संवत्से
न कुरुष्वित नैतिविद्वत् प्राप्यत।

विवाह विद्यादिः
ऑग्लिमिनिः २२। २। १५ ६६

मासः -

पक्षः -

तिथिः -

दिनम् - रविवारः इति शम्
हृत्वा द्वारम्
पञ्जीकारः

कुमारिका श्री योगेश्वर शर्मण

विवाह उन्नत मण्डलान्

पञ्जीकारः - मण्डलान्

मूल लोपादि विवाह

विवाह - श्री गणेशाय नमः

मूल - विवाह उन्नत मण्डलान्

25/5/25
25/5/25

સુરજ
જાણવું
સિદ્ધિ
ગરબ

સુરજ - જાણવું -
સુરજ - જાણવું -
સુરજ - જાણવું -
સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

સુરજ - જાણવું -

श्रीगुरुदेव श्रीगणेशाय नमः

* श्रीगुरुदेव श्रीगणेशाय नमः *

महाराजाधिराज श्री ५ मान मिथिलेश क भाजानुसार पञ्चवारिपारक लौकिक तथा श्रेणीक व्यवस्था पञ्जीकर लोकनि जे स्थिर कयलैन्हि अछि से

प्रकाशित कयलजाइछ एहिमध्य जनिका किछु वक्तव्य

होइन्हि से प्रार्थना पत्र द्वारा श्री ५ मान मध्य

निवेदन करथि ततः पदार्थ विविध सभा

मध्य एकर परामर्श कय पुनः

प्रकाशित कयलजायत ।

लौकिक न०	पञ्चवारिपारक लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौकिक न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	नरपति शा	प्रथम (१)	६	छोटी शा	चतुर्थ (४)
२	माधवमिश्र	"	७	कोकडीही	"
३	गोनूमिश्र	"	८	पकड़ी	"
४	अभन शा	"	९	प्रतिहस्त	"
५	मञ्जनशा	"	१०	नरहा	"
६	नीलाम्बर मिश्र	"	११	महथूपाठक	"
७	नन्दनशा	"	१२	शीलानाथ	"
८	करियेशा	"			
९	सिंहवाड़	"	१	हर्नाराथण ठाकुर	पञ्चम (५)
१०	कस्तशा	"	२	सखा शा	"
१	पद्मशा	द्वितीय (२)	३	तलाठाकुर	"
२	श्रीकाशतशा	"	४	नित्यानन्द चौधरि	"
३	मनियारी	"	५	बडाड मिश्र	"
४	नरपति मिश्र	"	६	महेरमान ठाकुर	"
५	अमोन	"	७	पद्म	"
६	खुसियालमिश्र	"	८	खगेश शा	"
७	गोनूशा	"	९	खुटीनियां	"
८	परमानन्द चौधरि	"	१	तारापति शा	षष्ठ (६)
९	कमलनयन पाठक	"	२	गोइ मिश्र	"
१०	महादेवशा	"	३	बल्ली चौधरि	"
१	घनानन्दशा	तृतीय (३)	४	गुरली शा	"
२	गणपति मिश्र	"	५	मदन मिश्र	"
३	जीवकरण मिश्र	"	६	लक्ष्मीपति मिश्र	"
४	धारेशा	"	७	विश्वनाथ शा	"
५	सुन्दरि मिश्र	"	८	नील मिश्र	"
६	देवानन्द शा	"	१	बदनी शा	सप्तम (७)
७	पनाइ मिश्र	"	२	हिरदी शा	"
१	भराम	चतुर्थ (४)	३	विश्वेश्वर चौधरि	"
२	शूलपाणि शा	"	४	वंशो चौधरि	"
३	वसन्तपुर	"	५	वरानो	"
४	प्रभाकर चौधरि	"	६	महसेन	"
			७	सनाकर शा	"
			८	यदुना शा	"
			९	मदुर शा	"

लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	बोधकृष्ण झा	अष्ट (८)	१०	अम्बदी मिश्र	"
२	बीर झा	"	११	गुणानन्द झा	"
३	मालापुर	"	१२	भक्षी	"
४	नरेश झा	"	१३	मोहना	"
५	कस्त झा	"	१४	मुगारी	"
६	पति मिश्र	"	१५	सत्ता	"
७	मोगल झा	"	१६	देरमा	"
८	गतिराम झा	"			
९	प्रतापनारायण	"			

१	रतिकर झा	नवम (९)
२	झाझारपुर	"
३	भक्तपुर	"
४	कौशिकीदत्त झा	"
५	टङ्कवाल महिधर झा	"
६	गुनी झा शकराही	"
७	महेशपुर	"
८	हालो	"
९	महिधर झा	"
१०	नारो झा	"
११	वेचू झा	"

१	कन्हौलो	दशम (१०)
२	मचली मिश्र	"
३	विष्णुदत्तपुर	"
४	धराधर चौधरि	"
५	चीरा मिश्र	"
६	रुद्र नारायण	"
७	लक्ष्मी नारायण	"
८	प्रद्युम्न झा	"
९	भड़गामपाली	"
१०	भुवन झा	"
११	नित्यानन्द कुजौली	"
१२	खौआल कौशिकीदत्त	"
१३	चक्रपाणि चौधरि	"
१४	विन्धी महादेव झा	"

१	रशिक नारायण	एकादश (११)
२	भुवन झा	"
३	सागरपुर	"
४	चान पाठक	"
५	बहेड़ी	"
६	खण्डड़ी	"
७	तरौनी बलियास	"
८	हरिनगर	"
९	काक ठाकुर	"

१	नक्कू झा	द्वादश (१२)
२	यशीभुवन	"
३	नोधि मिश्र	"
४	हरदत्त ठाकुर	"
५	लालविहारी झा	"
६	रोहाड़	"
७	कलुआ	"
८	नेहाल चौधरि	"
९	उमाई मिश्र	"
१०	आभी झा	"
११	फेठ कटारि	"
१२	भरविन्द झा	"
१३	उचली प्रभुनाथ झा	"
१४	मीराम मोखरि	"
१५	लदौराक बलियास	"

१	पडोल नरौन	त्रयोदश (१३)
२	रंक झा	"
३	कोलहड़ा	"
४	जांता	"
५	नागदह	"
६	मन्नूराम झा	"
७	रघुपति झा कुलुम्नाल	"
८	घाना गरवण	"
९	रमानाथ पाली	"

१	माखीराम चौधरि	चतुर्दश (१४)
२	अम्बदी कन्दह	"
३	बखनू देवान	"
४	सज्जहा	"
५	भारु ठाकुर	"
६	जनाड़	"
७	झाजी ध्यामी	"
८	भातठाकुर	"

(३)

लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	कालाठाकुर	पंचदश (१५)	४	काक ठाकुर	"
२	नीलान्धर बलियास	"	५	सधौर	"
३	नीलान्धर चौधरी	"	६	हरदस शा	"

लौकिक नाम

१३

श्रेणी संख्या

१५

दः श्री विश्वनाथ शा उः निरसुसा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः सास

दः श्री गोपनाथशा उः लुनाथशा " " "

दः श्री गङ्गाधर ठाकुर " " "

दः श्री लूटनशा " " "

दः श्री विष्णुदत्त मिश्र " " "

दः श्री वेदान्ध मिश्र " " "

दः श्री उमापतिशा " " "

दः श्री लक्ष्मीदत्त मिश्र " " "

दः श्री कुमारशा " " "

दः श्री चिरञ्जिवशा " " "

दः श्री रघुनाथशा " " "

दः श्री गिरीशान्धशा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः रघुनाथशा मजकुर

১৯৮৩
 ১৯৮৪
 ১৯৮৫
 ১৯৮৬
 ১৯৮৭
 ১৯৮৮
 ১৯৮৯
 ১৯৯০
 ১৯৯১
 ১৯৯২
 ১৯৯৩
 ১৯৯৪
 ১৯৯৫
 ১৯৯৬
 ১৯৯৭
 ১৯৯৮
 ১৯৯৯
 ২০০০
 ২০০১
 ২০০২
 ২০০৩
 ২০০৪
 ২০০৫
 ২০০৬
 ২০০৭
 ২০০৮
 ২০০৯
 ২০১০
 ২০১১
 ২০১২
 ২০১৩
 ২০১৪
 ২০১৫
 ২০১৬
 ২০১৭
 ২০১৮
 ২০১৯
 ২০২০
 ২০২১
 ২০২২
 ২০২৩
 ২০২৪
 ২০২৫
 ২০২৬
 ২০২৭
 ২০২৮
 ২০২৯
 ২০৩০

[illegible]

$$\begin{array}{r} 112300 \\ \underline{20800} \\ 91500 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 12130000 \\ \underline{11111000} \\ 1019000 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 10111000 \\ \underline{10111000} \\ 0 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 13424 \\ \underline{220} \\ 13204 \end{array}$$

513627

32117

21/12/20

[illegible]

2020
 2020
 2020
 2020
 2020
 2020

પાલક પુત્રના પત્ની -
પાલકે ઉપાનિવસન પાલકે પાલક
પાલકે પાલકે પાલક

પાલક - પાલક - પાલક

પાલક -
પાલકે પાલક

પાલકે પાલક

પાલક - પાલક

પાલક - પાલક

પાલકે પાલક